भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1925

उत्तर देने की तारीख : 11.12.2025

पारंपरिक कारीगरों के लिए जन जागरूकता अभियान

1925. श्री गणेश सिंह:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्री विजय बघेल:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री राधेश्याम राठिया:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
डॉ. राजेश मिश्रा:
श्री विजय कुमार दूबे:
श्री महेश कश्यप:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में पारंपरिक कारीगरों में जागरूकता पैदा करने के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ऐसे अभियानों का दायरा कितना है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के सहयोग से एक राष्ट्रव्यापी आउटरीच अभियान शुरू करने का विचार है;

(घ) छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में उक्त अभियान के कार्यान्वयन की संभावना क्या है; और

(ड़) सीधी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में उक्त अभियानों के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है और इसके अंतर्गत लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) से (ग) : एमएसएमई मंत्रालय ने पारंपरिक कारीगरों में पीएम विश्वकर्मा स्कीम के बारे में जागरूकता फैलाने और स्कीम का प्रभावी आउटरीच सुनिश्चित करने के लिए अनेक पहलें शुरू की है। सोशल मीडिया, रेडियो जिंगल्स, समाचारपत्र में विज्ञापनों और आउटडोर प्रचार जैसे होर्डिंग्स, डिजिटल डिस्प्ले, रेलवे स्टेशनों और बस स्टॉपों पर ऑडियो घोषणाओं आदि के माध्यम से जागरूकता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। भाषायी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, पीएम विश्वकर्मा स्कीम के दिशानिर्देशों का हिंदी और अंग्रेजी के अतिरिक्त 10 क्षेत्रीय भाषाओं- असमिया, गुजराती, कन्नड़, कोंकणी, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तेलुगू और उर्दू में अनुवाद किया गया है। स्कीम के दिशानिर्देशों का एक ब्रेल संस्करण भी तैयार किया गया है और इसे स्कीम के तहत पंजीकृत दृष्टि बाधित लाभार्थियों के लिए उन्हें सीधे प्रदान किया गया है। सितंबर, 2023 में इसकी शुरुआत से, एमएसएमई मंत्रालय ने देश भर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 850 से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों और शिविरों, 65 कार्यशालाओं, 50 व्यापार मेलों, 34 राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों और 52 फ्लैश मोब का आयोजन किया है।

चालू वित्तीय वर्ष के लिए, एमएसएमई मंत्रालय ने 716 जिला-स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमों का आवंटन किया है जो राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों और स्थानीय निकायों के परस्पर सहयोग के साथ फील्ड कार्यालयों, एमएसएमई विकास कार्यालयों के माध्यम से विभिन्न जिलों में क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

(घ) : पीएम विश्वकर्मा स्कीम के तहत, बस्तर प्रखंड, छत्तीसगढ़ में पीएम विश्वकर्मा पर 5 जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। इस वित्तीय वर्ष के लिए पीएम विश्वकर्मा के तहत बस्तर प्रखंड के 7 जिलों में प्रत्येक में एक जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम स्वीकृत किया गया है, जिन्हें मार्च, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

(ड़) : सीधी में एक सेमिनार-सह-जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया जिसमें 178 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पीएम विश्वकर्मा स्कीम के तहत, सीधी से कुल 4,175 कारीगरों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया है।

*****